हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार

मेट्रो सिटी

नागपुर, मंगलवार, 11 मार्च 2025

रमज़ानुल मुबारक

हज़रत अबू-अय्यूब अंसारी रज़ि. से रिवायत है कि उन्होंने हदीस बयान की कि रसूल सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम ने फ़रमाया कि जो शख़्स रमज़ान के रोज़े रखे फिर उसके बाद शव्वाल के छः रोज़े रखे तो मानो उसने ज़माने भर के (मुसलसल) रोज़े रखे। (मुस्लिम, मिशकातुल मसाबीह- 2047), हज़रत अबू-सईद ख़ुदरी रज़ि बयान करते हैं कि रसूल सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम ने ईदुल-फ़ित्र और ईदुल-अज़हा के दिन रोज़ा रखने से मना फ़रमाया। (मुत्तफ़क़ अलैह, मिशकातुल मसाबीह- 2048). आज मंगलवार रोज़े का समय सहरी 05: 08 और इफ़तार 06: 27 समय है.

हुसैन

मोहम्मद हुसैन अशरफ़ी
उम्र-7 वर्ष. बुद्धु मीनारा
गांधीबाग नागपुर

राज्य के उर्दू स्कूलों में मराठी शिक्षकों की स्थायी नियुक्ति की जाएगी: प्यारे खान

> पहली कक्षा से ही छात्रों को पढ़ाई जाएगी मराठी भाषा

नागपुर.

महाराष्ट्र राज्य अल्पसंख्यक आयोग ने शिक्षा विभाग को राज्य के उर्दू स्कूलों में कार्यरत मराठी शिक्षकों को स्थायी करने तथा पहली कक्षा से ही मराठी भाषा पढ़ाने का प्रस्ताव भेजा है। आयोग के अध्यक्ष (मंत्री स्तर) प्यारे जिया खान ने कहा कि इस प्रस्ताव को शैक्षणिक सत्र (2025-26) में लागू किया जाएगा। राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष बनने के बाद खान उर्दू स्कूलों में पारंपरिक शिक्षा प्रणाली के स्थान पर आधुनिक शिक्षा प्रणाली अपनाने पर विशेष जोर दे रहे हैं। उर्दू स्कूलों के विद्यार्थियों को मराठी भाषा का भी ज्ञान हो, यह सुनिश्चित करने के लिए मराठी भाषा का अध्ययन अनिवार्य किया जा रहा है। इस पहल के तहत रविवार को नागपुर में प्यारे खान और मराठी फाउंडेशन के शिक्षकों के बीच एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस बैठक में उर्दू स्कूलों में मराठी अनिवार्य करने तथा मराठी शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गई।

बैठक में मराठी फाउंडेशन के शिक्षकों ने अपनी कई समस्याएं उठाईं। इनमें उर्दू स्कूलों में मराठी भाषा के गिरते स्तर, मराठी शिक्षकों का वेतन, उर्दू के प्रति छात्रों की घटती रुचि और मराठी के लिए गैर-मराठी शिक्षकों की नियुक्ति जैसे गंभीर मुद्दे शामिल हैं। जिसके कारण राज्य में योग्य शिक्षकों की संख्या लगातार कम होती जा रही है। पहले महाराष्ट्र के उर्दू स्कूलों में 4,500 से अधिक मराठी शिक्षक कार्यरत थे, लेकिन अब यह संख्या घटकर केवल 500 रह गई है, जिनमें से केवल 26 शिक्षक नागपुर में कार्यरत हैं। शिक्षकों की इस कमी के कारण उर्दू स्कूलों में मराठी भाषा की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। खान ने इस स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने मराठी शिक्षकों की संख्या बढ़ाने के लिए नए शिक्षकों की नियुक्ति पर विश्वास जताया। उन्होंने यह भी कहा कि जिन उर्दू स्कूलों में अस्थायी तौर पर शिक्षक नियुक्त हैं, उन्हें जल्द ही स्थायी कर दिया जाएगा।

वहीं, बैठक में इस बात पर भी चर्चा हुई कि वर्तमान में राज्य के उर्दू स्कूलों में मराठी विषय केवल आठवीं, नौवीं और दसवीं कक्षा में ही पढ़ाया जाता है। जिसके कारण विद्यार्थी मराठी पर विशेष ध्यान नहीं देते हैं। न ही वे इस विषय का ठीक से अध्ययन कर पाते हैं। ऐसी स्थिति में यह आवश्यक है कि मराठी को पहली कक्षा से ही अनिवार्य कर दिया जाए। जिससे प्रतियोगी परीक्षाओं में छात्रों को लाभ मिलेगा।

प्यारे खान ने कहा कि राज्य में मराठी भाषा को विशिष्ट भाषा का दर्जा दिया गया है। ऐसे उर्दू स्कूलों के बच्चों को मराठी भाषा में भी अच्छी शिक्षा मिले, यह सुनिश्चित करने के लिए पहली कक्षा से ही मराठी भाषा की पढ़ाई अनिवार्य कर दी जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक उर्दू स्कूल में स्थायी मराठी शिक्षकों की नियुक्ति जरूरी है ताकि छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके।

शेफ विष्णु मनोहर का फेसबुक अकाउंट हैक

नागपुर. प्रसिद्ध शेफ विष्णु मनोहर, जिनकी पाक कला की चर्चा पूरी दुनिया में थी, एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में फूट-फूट कर रो पड़े। विष्णु मनोहर का फेसबुक अकाउंट 'मास्टर रेसिपी बाय विष्णु मनोहर' हैक हो गया है। हैकर्स पिछले 10 से 12 दिनों से इस अकाउंट पर अश्लील पोस्ट कर रहे हैं। परिणामस्वरूप, उन्हें अपने प्रशंसकों के फोन आ रहे हैं, और अपना दुख व्यक्त करते हुए विष्णु मनोहर फूट-फूट कर रो पड़े। प्रसिद्ध शेफ विष्णु मनोहर ने नागपुर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की। इस सम्मेलन में उन्होंने बताया कि उनका फेसबुक अकाउंट 'मास्टर रेसिपी बाय विष्णु मनोहर' हैक हो गया है। विष्णु मनोहर ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि इस संबंध में पुलिस साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई गई है। लेकिन, 10 से 12 दिन बाद भी 'मास्टर रेसिपी बाय विष्णु मनोहर' अकाउंट रिकवर नहीं हो पाया है। इस अकाउंट से अश्लील पोस्ट किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, "इसलिए मुझे मानसिक रूप से कष्ट उठाना पड़ रहा है।"

दो हज़ार व्यंजन और लाखों अनुयायी

फेसबुक अकाउंट हैक होने के बाद विष्णु मनोहर ने नागपुर, बेंगलुरु, मुंबई, पुणे के साथ-साथ संयुक्त राज्य अमेरिका में भी शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने इस संबंध में फेसबुक की मूल कंपनी मेटा से भी संपर्क किया। वे बहुत हताश थे क्योंकि उनके तमाम प्रयासों के बावजूद उनका खाता वापस नहीं मिल पाया था। विष्णु मनोहर के अकाउंट पर 2,000 से अधिक व्यंजन हैं। उनके लाखों अनुयायी भी हैं। हालांकि, पिछले 10 से 12 दिनों से हैकर्स लगातार अश्लील पोस्ट कर रहे हैं और फॉलोअर्स की संख्या में कमी आने लगी है।

अश्लील बातें क्यों पोस्ट कर रहे हो?

विष्णु मनोहर ने कहा, "मेरे फॉलोअर्स मुझे छोड़ रहे हैं। साथ ही कई लोग मेरे मोबाइल पर मैसेज करके पूछ रहे हैं कि 'आप इस तरह की अश्लील पोस्ट क्यों कर रहे हैं?' उन्होंने अपील की है, "इस लिंक पर क्लिक करने से आपका अकाउंट भी हैक हो सकता है। इसलिए प्रशंसकों को इस लिंक पर क्लिक नहीं करना चाहिए।"

विधायक मोहन मते की आरओ पानी सुविधा की मांग

नागपुर. दक्षिण के विधायक मोहन मते ने बजट सत्र के दौरान विधानसभा में नागपुर जिले के स्कूलों में आरओ पानी की सुविधा उपलब्ध नहीं होने का मुद्दा उठाया। उन्होंने सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित किया कि छात्रों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जाए। विधानसभा में उन्होंने कहा कि हालांकि नागपुर जिले के 1395 स्कूलों में से 1258 में यह सुविधा उपलब्ध है, लेकिन शेष 137 स्कूलों में आरओ वाटर सिस्टम नहीं है। इसलिए इन स्कूलों में छात्रों को दूषित पानी पीना पड़ता है, जिससे गर्मी से संबंधित बीमारियों, उल्टी, बुखार, टाइफाइड और गैस्ट्रो जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। इस संबंध में सिंह ने मांग की कि सरकार तत्काल कार्रवाई करते हुए नागपुर जिले के सभी स्कूलों में आरओ पानी की सुविधा उपलब्ध कराए। इसके साथ ही उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि स्कूलों में जल प्रबंधन पर उचित रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए तथा सभी जरूरतमंद स्कूलों को यह सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए जाएं। विधायक मोहन मते ने विधानसभा में जोरदार मांग की कि यह छात्रों के स्वास्थ्य से जुड़ा गंभीर मुद्दा है और सरकार को तत्काल कदम उठाने चाहिए।

महाराष्ट्र का बजट सतत विकास को गति देगा: कृपाल तुमाने

नागपुर.

विधान परिषद सदस्य कृपाल तुमाने ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि महायुति सरकार ने महाराष्ट्र के सभी घटकों पर विचार करके भविष्य के सतत विकास को गति देने वाला बजट पेश किया है और इससे महाराष्ट्र का सर्वांगीण विकास होगा। आज वित्त मंत्री और उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने महागठबंधन सरकार का बजट पेश किया। प्रस्तुत बजट के लिए मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथजी शिंदे और अजित पवार के नेतृत्व वाली महायुति को बधाई। यह बजट महाराष्ट्र के गौरवशाली इतिहास और भविष्य के विजन को दर्शाता है। महायुति राज्य के पिछड़े वर्गों और कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए आश्रय, बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा और पोषण के साथ-साथ रोजगार के माध्यम से विभिन्न योजनाओं को लागू करके उनके जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए प्रतिबद्ध है। युवाओं को अपने कौशल विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। किसानों, श्रमिकों और महिलाओं के विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। प्रदूषण मुक्त सौर ऊर्जा से किसानों और घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलेगी। इसके साथ ही, हवाई अड्डों, मेट्रो, रेलवे और सड़क परिवहन के आधुनिकीकरण से बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा होगा, जिससे महाराष्ट्र इसमें अग्रणी बनेगा। पिछले ढाई वर्षों में महायुति ने अपनी कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से जनता का विश्वास अर्जित किया है और यह बजट उसी विश्वास का प्रमाण है।

बजट में विदर्भ की जनता के साथ अन्यायः डॉ. राउत

बजट की आलोचना करते हुए कहा कि यह पूंजीवाद को बढ़ावा देता है और मजदूर विरोधी है

मुंबई/नागपुर. मुख्यमंत्री ने दावा किया था कि बजट में केवल घोषणाओं की बौछार की गई है, जिसमें महंगाई पर लगाम लगाने, मध्यम वर्ग को राहत देने, उद्योगों को बढ़ावा देने, रोजगार सृजन करने या किसानों की आय दोगुनी करने के लिए कोई ठोस उपाय नहीं किए गए हैं। विदर्भ को हमेशा विषम संतुलन मिलेगा और योजनाओं के लिए धन की कमी नहीं होने दी जाएगी। हालाँकि, आज प्रस्तुत बजट में विदर्भ के मंत्री विदर्भ के लिए धन जुटाने में पूरी तरह विफल रहे। पूर्व राज्य मंत्री व विधायक डॉ.नितिन राउत ने कहा कि सरकार ने विदर्भ के लिए 'शून्य बजट' दिया है, जो विदर्भ की जनता के साथ अन्याय है। आगे बोलते

हुए डॉ. राउत ने यह भी सवाल उठाया कि सरकार ने बजट में करों में राज्य का हिस्सा कम करके जनता को ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी से राहत क्यों नहीं दी। राज्य बजट, जिसकी घोषणा आज ही की गई है, में हमेशा की तरह स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा की उपेक्षा की गई है। स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों का अध्ययन किए बिना, अब तक हुए खर्चों का हिसाब किए बिना, एक-दो घोषणाओं में स्वास्थ्य के मुद्दे को ख़त्म कर दिया गया। महाराष्ट्र राज्य जनसंख्या की दृष्टि से देश का दूसरा सबसे बड़ा राज्य है और क्षेत्रफल की दृष्टि से तीसरा सबसे बड़ा राज्य है। बड़ी आबादी को पर्याप्त और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं और स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए मजबूत बुनियादी ढांचे और सेवाएं आवश्यक हैं। हालाँकि, सरकार बजट में स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की उपेक्षा कर रही है। महाराष्ट्र में प्राथमिक और द्वितीयक स्वास्थ्य सेवाएं महाराष्ट्र सरकार के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रदान की जाती हैं। तृतीयक स्वास्थ्य सेवा मुख्य रूप से सरकार के चिकित्सा शिक्षा और फार्मेसी विभाग द्वारा प्रदान की जाती है। हालांकि, डॉ.राउत ने आरोप लगाया कि महायुति सरकार अभी भी बजट में स्वास्थ्य विभाग को धन उपलब्ध कराने में अनिच्छुक है। नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए बजट में कोई विशेष प्रावधान नहीं किया गया है। उम्मीद थी कि विदर्भ और मराठवाड़ा सहित राज्य के सूखा प्रभावित क्षेत्रों में सिंचाई परियोजनाओं को बजट में विशेष पैकेज मिलेगा। इसके साथ ही विदर्भ विधान विकास बोर्ड को भी बूस्टर डोज मिलने की उम्मीद थी। हालांकि, डॉ.राउत ने कहा कि बजट ने विदर्भ की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है।

उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री अजित पवार द्वारा पेश किया गया बजट पूरी तरह निराशाजनक है। यह किसानों और आम जनता को निराश करने वाला बजट है। महंगाई और बेरोजगारी की समस्याओं पर काबू पाने के लिए कोई ठोस योजना नहीं है।

बजट में कोई ठोस कार्ययोजना नहीं

> 2025-26 का बजट पुराने दिनों की याद दिलाता है : विधायक अभिजीत वंजारी

नागपुर.

पिछले तीन वर्षों से हर साल बजट में जो योजनाएं पेश की जाती थीं, उन्हें एक बार फिर शामिल किया गया है। अरब सागर में छत्रपति शिवाजी महाराज के स्मारकों का कोई उल्लेख नहीं है। जिन प्यारी बहनों के वोट से यह सरकार चुनी गई थी, उनको चुनाव घोषणापत्र में 2100 रुपये प्रतिमाह देने का वादा किया गया था, लेकिन इस बजट में उसे पूरा नहीं किया गया है। स्कूल शिक्षा विभाग में प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षकों के वेतन में वृद्धि के लिए 14 अक्टूबर 2024 के सरकारी निर्णय का इस बजट में प्रावधान नहीं किया गया है। राज्य के सभी विश्वविद्यालयों एवं अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों में प्राध्यापकों एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों के पदों को भरने के लिए उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग में कोई वित्तीय प्रावधान नहीं है। ओबीसी तथा अन्य समान श्रेणी की जातियों और समुदायों के लिए आर्थिक विकास निगम की घोषणा चुनाव की पूर्व संध्या पर की गई थी, लेकिन इसे वास्तविकता में लागू करने के लिए कोई ठोस कार्य योजना नहीं है। शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत गरीब विद्यार्थियों की पिछले वर्ष तक बकाया लगभग 1800 करोड़ रुपए की ट्यूशन फीस स्कूलों को वापस करने का कोई प्रावधान नहीं है। महायुति के चुनाव घोषणापत्र के अनुसार, इस बजट में राज्य के ओबीसी, एसबीसी, ईडब्ल्यूएस और वीजेएनटी छात्रों को शिक्षा और परीक्षा शुल्क की पूर्ण प्रतिपूर्ति प्रदान करने का कोई प्रावधान नहीं है। महायुति के चुनावी घोषणापत्र के अनुसार वृद्ध पेंशन भोगियों को 2100 रुपये प्रतिमाह देने का इस बजट में कोई प्रावधान नहीं है। महायुति के चुनाव घोषणापत्र के अनुसार, इस बजट में राज्य के बिजली बिल में 30% की कमी करने का कोई प्रावधान नहीं है। महाज्योति सारथी भारती और तरती संस्था के तहत चलने वाले छात्रों के अनुदान में कोई वृद्धि नहीं की गई है। कुल मिलाकर यह बजट सिर्फ आंकड़ों का खेल है और हकीकत में कोई ठोस कार्ययोजना नहीं है, इसलिए बेहद निराशाजनक बजट पेश किया गया है।

ग्रामीण विकास पर केंद्रित बजटः विधायक डॉ. देशमुख

नागपुर. "यह महाराष्ट्र की जनता से किए गए वादे के अनुरूप राज्य का बजट है। इस बजट में समाज के हर वर्ग के लिए बनाई गई योजनाओं के लिए वित्तीय प्रावधान हैं और किसान, महिला, रोजगार, उद्योग, कौशल विकास, पर्यटन, ग्रामीण विकास, खेल, सिंचाई, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे कई मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। विशेष रूप से विदर्भ के लिए बड़े वित्तीय प्रावधान किए गए हैं और इससे निश्चित रूप से आर्थिक प्रगति के मामले में विदर्भ को लाभ मिलेगा।"

किसानों से लेकर प्यारी बहनों तक सभी के लिए अच्छी योजनाएं, सिंचाई के लिए वैनगंगा-नलगंगा नदी जोड़ो परियोजना को मंजूरी, कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक का उपयोग, ग्राम सड़क योजना, रोजगार के लिए नए उद्योग, ग्रामीण सड़कें, मेट्रो का विस्तार, "औद्योगिक नीति 2025 के तहत 20 लाख करोड़ रुपये का निवेश और 50 लाख नौकरियों का सृजन, 24 लाख महिलाओं को करोड़पति बनाने का लक्ष्य, पिछड़ा वर्ग, कमजोर वर्ग और आदिवासी विकास योजना, सभी के लिए आवास, सौर कृषि चैनल योजना, गौ-विज्ञान अनुसंधान केंद्र, जलयुक्त शिवार अभियान, स्वयं सहायता समूहों के लिए उम्मेद मॉल जैसी कई योजनाओं के साथ यह बजट नागपुर जिले और विदर्भ के हित में है और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्रजी मोदी के विकसित भारत की अवधारणा को भी मजबूत करता है," सावनेर-कलमेश्वर क्षेत्र के भाजपा विधायक डॉ. आशीषराव देशमुख ने 2025-26 के राज्य बजट पर कहा।

महिला दोस्तों का सम्मान कर गौरवान्वित किया

नागपुर. महिला दिवस को केवल शुभकामनाओं तक सीमित न रखें, इसे वैश्विक जुनून का उत्सव बनाने हेतु महिलाओं को उनकी उपलब्धियों को पहचान कर एक छोटा सा सम्मान का आयोजन स्वावलंबी विद्यालय, वर्धा के 1981 के बैच दोस्तों ने महिला दिवस पर यवतमाल के प्राचीन देवस्थान शिव मंदिर, मंनदेव के प्रकृति की गोद में महिला दोस्तों का सम्मान कर गौरवान्वित कर उपहार दिया गया।

8 मार्च को पूरी दुनिया में महिला दिवस मनाया जाता है। यह एक

वैश्विक उत्सव का अवसर है जहां महिलाओं की अटूट भूमिका और उनके संघर्ष को मान्यता दी जाती है। महिला दिवस पर हर महिला को उसके योगदान के लिए आदर और सम्मान दिया जाता है।

जब तुम मुस्कुराती हो तो दुनिया मुस्कुराती है, तुम्हारे हर दर्द में ताकत होती है, तुम्हारी बहादुरी को सलाम, नारी तुम्हारा अस्तित्व एक प्रेरणा है यह कहकर पुरुष दोस्तों ने अनोखी पहल की.

प्राचार्या डॉ. स्नेहल फडणवीस, सेवानिवृत्त शिक्षणाधिकारी वर्षा बेले, प्रा.अर्चना देशपांडे, स्मिता रवींद्र घाटोले, निलिमा विजय अढाऊ, वैशाली दिनेश लडके और सरिता आनंद पराडकर इस सम्मान समारोह उपस्थित थी. उन्होंने भी अपने पुरुष मित्रोंका मन के गहराही से आभार व्यक्त किया.

मेजर हेमंत जकाते इंस्टीट्यूट में 'विश्व महिला दिवस' का आयोजन

नागपुर.

मनीषा शिक्षण प्रसारक मंडल, नागपुर का संचालित मेजर हेमंत जकाते इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड कॉमर्स, म्हालगी नगर चौक, नागपुर में 'विश्व महिला दिवस' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मनीषा शिक्षण प्रसारक मंडल के सचिव मधुसूदन मुडे सर, स्कूल प्रिंसिपल शीला मुडे मैडम, वाइस प्रिंसिपल भारती मानकर मैडम थे। कार्यक्रम के मुख्य प्रवक्ता के रूप में सतीश खोड़े, अपर्णा उपासे उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा का पूजन कर की गई. सतीश सर ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों के साथ शिक्षकों की भूमिका पर उत्कृष्ट मार्गदर्शन दिया। उपासे मैडम ने महिलाओं को कानून की जानकारी दी। स्कूल प्रिंसिपल शीला मुडे ने उत्कृष्ट प्रदर्शन पर मेघा पाटिल, ममता सुपारे, कल्याणी मंगरे कु मनीषा घोडे, कु. अभिलाषा इंगले को शाल व श्रीफळ से सम्मान किया. मधुसूदन मुडे ने उपस्थित महिलाओं का मार्गदर्शन किया और उन्हें महिला दिवस की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का संचालन माला चिलबुले ने व आभार प्रदर्शन कु. वंदना शहाणे ने किया।

महाबोधि विहार को बौद्धों के स्वामित्व में देने की मांग का धरना आंदोलन

वाडी.

बोधगया स्थित महाबोधि विहार को बौद्धों के स्वामित्व में देने की मांग को लेकर भंते आकाश लामा के नेतृत्व में देशव्यापी विशाल धरना आंदोलन जारी है। इसी आंदोलन के समर्थन में रविवार को वाडी में विभिन्न आंबेडकरी संगठनों, भारतीय बौद्ध महासभा, समता सैनिक दल, भिक्षु संघ, महिला मंडलों और विहार समितियों ने एक विशाल पैदल मार्च निकालकर आक्रोश व्यक्त किया गया। पदयात्रा से पहले वाडी अमरावती महामार्ग स्थित डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा के पास सभी अनुयायी सफेद वस्त्र पहनकर एकत्र हुए।

वहां उपस्थित भंते संघ कीर्ति और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर तथागत गौतम बुद्ध और सम्राट अशोक की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर भंते संघ कीर्ति ने सभी अनुयायियों को त्रिशरण और पंचशील ग्रहण करवाया।

इसके बाद यह विशाल पैदल मार्च अमरावती महामार्ग से होकर सब्जी मंडी, काटोल बायपास, खडगांव रोड और दत्तवाडी होते हुए वाडी पुलिस थाने तक पहुंचा। जहां महामहिम राष्ट्रपति और बिहार सरकार के नाम वाडी नगर परिषद उपमुख्याधिकारी गौरव गाडगे को ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान चर्चा में यह सवाल उठाया गया कि जब देश में हिंदू मंदिरों का प्रबंधन हिंदुओं के पास, मस्जिदों का प्रबंधन मुसलमानों के पास, गुरुद्वारों का प्रबंधन सिखों के पास और चर्च का प्रबंधन ईसाइयों के पास है, तो फिर बोधगया के विहारों का प्रबंधन हिंदुओं के पास कैसे? इस सवाल के साथ मांग की गई कि मंदिर कानून 1949 को रद्द किया जाए और महाबोधि विहार का संपूर्ण प्रबंधन बौद्धों को सौंपा जाए। साथ ही, बोधगया में जारी आंदोलन को समर्थन देने की घोषणा की गई।

इस विशाल रैली में भंते महापंथ महाथेरो, भदंत संघ कीर्ति, भदंत संघानंद, भदंत दीपंकर, भदंत पूर्णबोधि समेत अनेक प्रमुख भिक्षु और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। इसके अलावा दिनेश बंसोड़, नरेंद्र मेंढे,संतोष नरवाडे,दिनेश कोचे,सुधाकर सोनपिंपळे, राजकुमार बोरकर, कंठीराम तागडे, मनोज भांगे, भीमराव लोखंडे, अश्विन बैस, रोशन सोमकुवर, भीमराव कांबळे, गौतम तिरपुडे, अशोक गडलिंगे, डी.डी. गजभिये, नाशिक शामकुवर, आशिष गौरखेडे, विपिन खेडकर, भीमराव शेंडे, प्रेम ठवरे, भगवान मेश्राम, गौतम मेश्राम, मनीष रामटेके, बबलू मेश्राम, साहिल खोब्रागडे, सुभाष सुखदेवे, दर्पण लोणारे, मंगेश नागदेवे, प्रदीप मस्के, चंदू सोनपिंपळे, राहुल मेश्राम, चंद्रशेखर गणवीर, सुरेश उके आदि बड़ी संख्या में पुरुष और महिलाएं रैली में शामिल हुईं। रैली के दौरान वाडी पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे।

पांच वर्षिय अलीना ने रखा पहिला रोजा

रोजे रखने से शिक्षा और प्रेरणा मिलती है

कोंढाली. यहां के वार्ड क्रमांक चार मे रहने वाली पांच वर्ष की छोटी बच्ची अलीना राजीक शेख ने भी रमजान के महीने में अपना पहला रोजा रखा, और इस खास मौके पर परिवार और समुदाय ने उन्हें प्रोत्साहित किया और दुआएं दीं। रमजान के महीने में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने भी रोजा रखने में उत्साह दिखाया, और अल्लाह की इबादत में मशगूल रहे।

बच्चों को पहला रोजा रखने के लिए परिवार और समुदाय का पूरा समर्थन मिला, और उन्हें सहरी और इफ्तार के लिए तैयार किया गया। बच्चों के पहले रोजे पर विशेष आयोजन किए गए, जैसे कि रोजा कुशाई (रोजा शुरू करने का समारोह) और इफ्तार पार्टी बच्चों को पहला रोजा रखने पर परिवार और समुदाय के सदस्यों ने दुआएं दीं और मुबारकबाद दीं। बच्चों को रोजा रखने के लिए घर के बड़े-बुजुर्गों से शिक्षा और प्रेरणा मिली। रमजान के महीने में रोजा रखना मुस्लिम समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

नागपुर. राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय ने स्नातकोत्तर शिक्षा विभाग, विधि विभाग, नागपुर और वाणिज्य एवं व्यवसाय प्रबंधन विभाग (डीसीबीएम), नागपुर विश्वविद्यालय के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक ऊर्जावान और विचारोत्तेजक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के विभागाध्यक्ष वाणिज्य एवं (व्यवसाय प्रबंधन) डॉ. अनंत देशमुख, राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज, नागपुर विश्वविद्यालय के पीजीटीडी लॉ विभाग की प्रमुख पायल थौरे सहित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में नृत्य, नाटक, गायन, कविता पाठ, स्टैंड-अप कॉमेडी और माइम सहित कई प्रभावशाली प्रस्तुतियां दी गई, जिसमें एक महिला के बचपन से लेकर विवाह तक के सफर को खूबसूरती से दर्शाया गया। इन प्रस्तुतियों में महिलाओं के सामने आने वाले संघर्षों पर प्रकाश डाला गया। पीजीटीडी ऑफ लॉ की संकाय सदस्य ऋचा कोचर द्वारा परिकल्पित और आयोजित इस कार्यक्रम में 32 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सरोजनी पब्लिक स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

प्रदर्शनी में नन्हे छात्रों का शानदार प्रदर्शन

पारशिवनी.

पारशिवनी स्थित सरोजिनी पब्लिक स्कूल के सभागृह में शनिवार को नन्हे छात्रों ने विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया था। प्रदर्शनी का शुभारंभ संस्था अध्यक्ष पी शशिधर तथा संस्था संचालक सुनिल ढोले ने किया. इस अवसर पर छात्रों के माता पिता बड़ी संख्या में उपस्थित थे। सरोजनी पब्लिक स्कूल के नन्हे छात्रों ने विज्ञान प्रयोग के सहारे नया अविष्कार करने का वास्तविक प्रयोग कर दिखाते हुए सभी अभिभावको को अचंभित किया।

नन्हे छात्रों की विज्ञान के प्रति रूचि, विज्ञान के सहारे अनेकों नये अविष्कार करने से नई खोज कर देश के लिए गौरव बढ़ाने वाली बात है। इस अवसर पर अभिभावकों ने नन्हे छात्रों ने तैयार किये अविष्कार को देखते हुए सभी छात्रों की होंसला अफजाई की। इस अवसर पर स्कूल परिसर में आनंद मेला का भी आयोजन कर नये नये व्यंजन की प्रस्तुति की गई थी। साथ ही भाषा गणित, विषय के बारे में जानकारी सरोजनी पब्लिक स्कूल के छात्रों ने अभिभावकों को दी।

इस अवसर पर हजारों लोग माता -पिता इस प्रदर्शनी को देखने के लिए बड़ी संख्या में उपस्थित थे। स्कूल संचालक ने छात्रों के लिए आने वाले दिनों में और भी उपक्रम आयोजित करने का संकल्प इस अवसर पर किया गया।

महाबोधि महाविहार को मुक्त करने हेतु ज्ञापन सौंपा

कामठी.

भारतीय बौद्ध महासभा, समता सैनिक दल, वंचित बहुजन आघाडी कामठी तालुका, आदर्श कवि मंडल के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को तहसील कार्यालय कामठी में भदंत नागदीपकर की प्रमुख उपस्थिति में तथा वंचित बहुजन आघाडी नागपुर जिला महासचिव प्रशांत नगरकर, नरेश वाघमारे की उपस्थिति में कामठी नायब तहसीलदार राजीव बमनोटे को महाबोधि महाविहार को मुक्त करने के लिए बिहार के मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। इस अवसर पर भारतीय बौद्ध महासभा, समता सैनिक दल, वंचित बहुजन आघाडी, आदर्श कवि मंडल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे. इस मौके पर भदंत नागदीपंकर महाथेरो, उदास बन्सोड, रवी बोरकर विजय उके, प्रशांत नगरकर, नरेश वाघमारे, सुनील नितनवरे, प्रमोद खांडेकर, प्रशांत वाघमारे, संघपाल चंदनखेडे, संघपाल डोंगरे, दिपक लांजेवार, सचिन मेश्राम, अशोक उके, ऋषी रंगारी, सिकंदर गजभिये, रमेश खोब्रागडे, प्रकाश रंगारी, उमराव डोंगरे, प्रेमदास गजभिये, पत्रकार संदीप कांबळे, अनिल पाटील, नागसेन गजभिये, अनुजा वासनिक, लता पाटील, करुणा चंदनखेडे, ज्योती बारसागडे, रिबिशा पौनिकर, साची पाटील आदि गणमान्य व्यक्ति प्रमुखता से मौजूद रहें।

भिलगांव में महिला दिवस पर उत्कृष्ट महिलाओं का सम्मान

कामठी.

तालुका के भिलगांव स्थित नैवेद्य सेलिब्रेशन की ओर से महिला दिवस के अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिलाओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विदर्भ प्रांत की सहसंयोजिका अनिता शिरपुरकर ने दीप प्रज्वलित कर, भारत माता और क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर की। इस अवसर पर कार्यक्रम की संयोजिका चंदा माकड़े, रंजना उमाटे, खोजेंद्र माकड़े, मंगला कारेमोरे, जया मथुरे, खुशबू माकड़े, सुषमा राकड़े उपस्थित थीं। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के लिए एकल नृत्य, सामूहिक नृत्य, गीत गायन सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिताओं के विजेताओं और विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिलाओं को अतिथियों ने उपहार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में मार्गदर्शन करते हुए अनिता शिरपुरकर ने कहा कि महिलाओं को सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हुए क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले के आदर्शों का पालन करते हुए सामाजिक कार्य करना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन चंदा माकड़े ने किया और आभार प्रदर्शन जया मथुरे ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थीं।

श्रद्धालुओं का अनूठा संगम, संकल्प का महापर्व महाकुंभ: कोंडुलवार

कामठी.

भाजपा कामठी शहर महामंत्री विजय कोंडुलवार परिवार के साथ प्रयागराज के दौरे पर पहुंचने के बाद कहा कि महाकुंभ सिर्फ सनातन संस्कृति का मेला नहीं है, बल्कि श्रद्धालुओं का अनूठा संगम और संकल्प का महापर्व है। उन्होंने बताया की त्रिवेणी संगम में पवित्र डुबकी लगाया हैं। विजय कोंडुलवार ने कहा, "महाकुंभ लोगों की भीड़ नहीं है, यह श्रद्धालुओं का अनूठा संगम है। यह सिर्फ सनातन संस्कृति का मेला नहीं है, यह संकल्प का महापर्व है।" उन्होंने कहा कि सभी को नई पीढ़ी के बीच हिंदू धर्म, संस्कृति और आचरण के महत्व को उजागर करना चाहिए। उन्होंने ने कहा, "धर्म और संस्कृति का संरक्षण और संवर्धन समाज की कुलीन शक्ति, संत शक्ति और शासन शक्ति के समन्वित प्रयासों से ही संभव है।" विजय कोंडुलवार सहित उनके परिवार ने समाज सेवा में अपना जीवन समर्पित करेंगे और सकारात्मक कार्यों से जुड़े रहने का संकल्प लिया।

महिला दिवस पर जूना कामठी थाना महिला कर्मचारियों का स्वागत

कामठी. विश्व महिला दिवस के अवसर पर, एकलव्य फाउंडेशन के सदस्यों ने जूना कामठी पुलिस थाना में कार्यरत महिला पुलिस कर्मचारियों को नारी शक्ति का सम्मान देने के लिए वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक प्रशांत जुमड़े से अनुरोध किए जाने पर उन्होंने तुरंत सम्मान देते हुए पुलिस उपनिरीक्षक मीना झाड़े को अपनी पुलिस निरीक्षक की कुर्सी पर बैठाया। तत्पश्चात पुष्पगुच्छ और मिठाई देकर नारी शक्ति का सम्मान किया। इस अवसर पर सुदर्शना लांजेवार, वीणा बावनकुले, नूतन दहाड़े, पुलिस उप निरीक्षक रमेश दुभाले उपस्थित थे। साथ ही उपजिला ग्रामीण अस्पताल में चिकित्सा अधिक्षक डॉ. नैना दुपारे और उनकी महिला कर्मचारी का भी स्वागत किया और समाज को दी जा रही सेवाओं के लिए उनका आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर राजेश देशमुख के साथ भाजपा नेत्री संगीता सचिन अग्रवाल, उमेश मस्के, भैय्याजी यादव, चंद्रकांत शिवरकर, बंटी पिल्ले, प्रकाश पाहुने आदि प्रमुखता से उपस्थित थे।

मच्छीमार संघ ने की जीरोमाइल की जगह लौटाने की मांग

कामठी. भारतीय भोई विकास मंडल की कृती समिती ने महसूल मंत्री व पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले के जनसंवाद कार्यक्रम में उन्हें विदर्भ मच्छिमार संघ की जगह जो विकास के नाम से नेस्तनाबूद कर दी थी, जिस पर अब तक कोई विकास नहीं हुआ है और इस जगह को वापस पाने भोई समाज की विभिन्न घटनाओं ने शासन के साथ लढाई लडी है। जिसके चलते मेट्रो ने भी अपने कदम पीछे कर दिये है। फिर भी अब तक शासन उदासीन है। जिसके चलते समाज में शासन को लेकर नाराजगी है। इसलिए जीरोमाइल की विदर्भ विभागीय मच्छिमार संघ की जगह लौटाने की मांग समाज सेवक राहुल गौर, दिलीप मेश्राम, मनोहर भोयर, अशोक भोयर, अंबादास भोयर, ए.एन. दिघोरे, मनोज बावने, छत्रपति ठाकरे, मुकुंद गोंडाले, हेमराज गोंडाले, ईश्वर खंगार, खेमराज मेश्राम आदि ने की है।

कोंढाली में हर घर नल योजना पर उठे सवाल

कोंढाली. केंद्र तथा राज्य सरकार के संयुक्त तत्वाधान में जल जीवन मिशन के तहत हर घर मुफ्त नल कनेक्शन देने की सरकार की योजना संबंधित ठेकेदार एवं जल जीवन मिशन के अधिकारियों के उदासीनता के कारण कोंढाली नगर वासियों को दो वर्ष बाद भी हर घर नल योजना साकार नहीं हो पा रही है। फिलहाल पुरानी पाईप लाईन से ही यहाँ के 3000 से अधिक घरों में पेयजल आपूर्ति की जा रही है। ग्रामवासी पूछ रहे हैं कि सरकार ने हर घर शुद्ध जल का नल योजना के तहत कोंढाली नगर के 95% क्षेत्र में पाइप लाइन तो बिछायी गयी है. पर इस पाईप लाईन से "हर घर शुद्ध -स्वच्छ पेयजल के लिये हर घर नल के 75% प्रतिशत कनेक्शन भी जोडे गये है. जोडे गये कनेक्शन के स्टांड पोस्ट की गुणवत्ता तथा लगाये गये स्टांड पोस्ट भी सही ढंग से नही लगाये गये है. हर घर नल योजना के तहत लगाये जा रहे इस नल में जल कब आएगा? यह सवाल नागरिकों द्वारा पूछा जा रहा है. फिल हाल कभी कभार टेस्टिंग के नाम से इस नल में जो पेयजल कि टेस्टिंग हो रही है, उस में अत्यंत कम दबाव से जल वितरण होता नजर आ रहा है. वहीं एक ही लाईन के कुछ नल कनेक्शन को पेयजल आपूर्ति भी नहीं हो रही है. इस की जानकारी पेयजल योजना आपूर्ति विभाग को दे दी गयी है. कोंढाली नगर के लिये सुधारित पेयजल योजना को यहां विगत 2 वर्ष के बाद भी नल लगाने का काम पूरा नहीं हो पाया है. कहना है कि उन्हें पहले हैंडपंप से पानी मिल रहा था लेकिन जल जीवन मिशन योजना के बाद अनेक हैन्ड पंप बंद हैं. नगर वासियों ने नगर पंचायत प्रशासक से बार बार जल जीवन मिशन के तहत हर घर शुद्ध -स्वच्छ पेयजल से पेयजल आपूर्ति की मांग कर रहे है. नगर पंचायत प्रशासन ने जल जीवन मिशन के अधिकारी तथा ठेकेदार को जल आपूर्ति के बारे में अनेक बार सूचना दी है. हर घर में लग रहे मुफ्त के नल कनेक्शन का काम 2 विभागों की देखरेख में हो रहा है। पाइप बिछाने एवं नल लगाने का काम ग्रामीण विभाग के ठेकेदार ने कराया है, लेकिन पेयजल आपूर्ति के लिये नल जोड़ने का काम अब तक शत प्रतिशत नही होने से कोंढाली नगर वासियों को जल जीवन मिशन के तहत चलाये गये मिशन का उद्देश्य अब तक पूर्ण नहीं हो रहा है. इस विषय पर जल जीवन मिशन के अधिकारी से संपर्क करने पर संपर्क नहीं हो सका. कोंढाली नगर पंचायत के मुख्य प्रशासक धनंजय बोरीकर से पूछने पर बताया की जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल से शुद्ध -स्वच्छ पेयजल योजना के तहत संबंधित योजना के द्वारा हर घर नल योजना से पेयजल आपूर्ति करवानी चाहिए.

नागपुर में वाहनों की गति सीमा बदली

नागपुर. शहर में बढ़ते सड़क हादसों को रोकने के लिए यातायात विभाग ने नई गति सीमा अधिसूचना जारी की है। महाराष्ट्र राज्य के अतिरिक्त पुलिस महानिर्देशक (यातायात) के आदेशानुसार, सड़क दुर्घटनाओं और मृत्यु दर में प्रति वर्ष 10 प्रतिशत की कमी लाने के उद्देश्य से ये बदलाव किए गए हैं। यातायात की वर्तमान स्थिति, शहर की बढ़ती आबादी और वाहनों की संख्या को देखते हुए, नागपुर शहर की बेहतर सीमेंट सड़कों के साथ-साथ इनर और आउटर रिंग रोड पर वाहनों के लिए गति सीमा तय की गई है। पहले 2017 में जारी अधिसूचना में गति सीमा को रद्द कर दिया गया है और नई सीमाएं लागू कर दी गई हैं। नई गति सीमा इस प्रकार होगी: दोहरे मार्ग वाले राजमार्गों पर: यात्री वाहनों के लिए 100 किमी/घंटा, मालवाहक वाहनों के लिए 80 किमी/घंटा। शहर के प्रमुख मार्गों पर: चार पहिया वाहनों के लिए 60 किमी/घंटा, दोपहिया वाहनों के लिए 50 किमी/घंटा, रिक्शा के लिए 40 किमी/घंटा। अंतर्राज्यीय और विभागीय सड़कों पर: सामान्य गति सीमा 40-70 किमी/घंटा। यह अधिसूचना 11 मार्च, 2025 से 10 अप्रैल, 2025 तक लागू रहेगी। इस अवधि के दौरान नागरिकों की आपत्तियों और सुझावों पर विचार करने के बाद अंतिम गति सीमा तय की जाएगी। नागपुर यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से इन नए नियमों का पालन करने और सुरक्षित यातायात में सहयोग करने की अपील की है।

शिरडी तक पदयात्रा का भव्य आयोजन

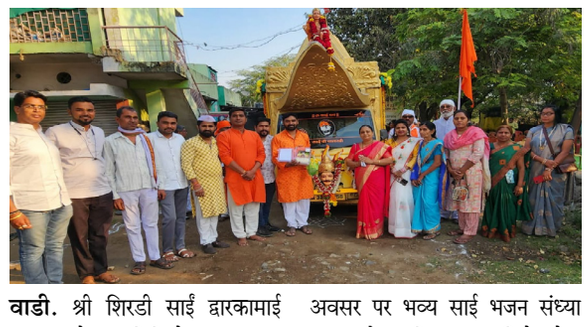

वाडी. श्री शिरडी साईं द्वारकामाई पदयात्रा सेवा समिति के तत्वावधान में हर साल की तरह इस वर्ष भी अयोध्या नगर से शिरडी तक भव्य पदयात्रा निकाली गई। यह आयोजन अपने 21वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। पदयात्रा अयोध्या नगर से शुरू होकर उदय नगर, वर्धा रोड, रामदास पेठ, कैंपस, वाड़ी, दत्तवाड़ी होते हुए साई मंदिर डिफेंस में पहुंची। पहले दिन सभी पदयात्रियों और भक्तों के लिए रुकने की व्यवस्था साई मंदिर डिफेंस में की गई थी। साथ ही महाप्रसाद की विशेष व्यवस्था भी की गई, जिससे सभी श्रद्धालु लाभान्वित हुए। इस अवसर पर भव्य साई भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसे महेश चौधरी और नितिन चिंचमलकर ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की पूरी व्यवस्था साईं मंदिर के अध्यक्ष सूरज ताजने, महेश चौधरी, योगेश माळी, सदाशिव बोलधन, बाला कुंभलकर, लोकेश जगताप, राजेश जैसवाल, अंकुश पाटिल, जयकुमार गौतम, राजीव अरोरा, निखिल पारिसे और पूरे साई परिवार ने मिलकर की। पदयात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और पूरे उत्साह के साथ भक्ति भाव में लीन होकर साईं बाबा की महिमा का गुणगान किया।

निधन वार्ता

निधन समाचार के निःशुल्क प्रकाशन हेतु संपर्क करे हमे ई-मेल करे ngpms2019@gmail.com

प्रमिला बाई

नागपुर. प्लॉट क्रमांक 31, कडू नगर, हुडकेश्वर रोड निवासी प्रमिला बाई मोरेश्वर दड़वे (82) का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार आज दिनांक 11/03/25 को प्रातः 11.00 बजे मानेवाड़ा घाट पर किया जाएगा। वे अपने पीछे एक बड़ा परिवार छोड़ गए।

हिंदी विवि के विधि विभाग में हुआ मूट कोर्ट का आयोजन

वर्धा.

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के विधि विभाग में दो दिवसीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता का शुभारंभ सोमवार को हुआ। इस अवसर पर विधि विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. जनार्दन कुमार तिवारी ने कहा कि मूट कोर्ट का उद्देश्य युवाओं में मूलभूत कौशल को विकसित करना है। मूट कोर्ट का अनुभव विद्यार्थियों को एक वकील के तौर पर कार्य करने के तरीके सीखने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि विधि के छात्रों को आत्मचिंतन करने की जरूरत है। आप जज, लॉ फर्म, वकील और कॉरपोरेट क्षेत्र में से जहां भी जाना चाहते हैं, उससे पहले स्वयं की क्षमताओं का अवलोकन करें। पूरी मेहतन से स्वयं को स्थापित करें।

मूट कोर्ट प्रभारी डॉ. युवराज खरे ने बताया कि इस विभागीय मूट कोर्ट में आठ टीमें भाग ले रहीं हैं। पहले दिन चार टीमें आवेदक और अनावेदक की ओर से पैरवी कर रही हैं साथ ही पहले दिन निर्णायक की भूमिका में प्रो. जनार्दन कुमार तिवारी, डॉ. युवराज खरे, मूट कोर्ट सह प्रभारी डॉ. दिव्या शुक्ला एवं आनंद भारती रहे। इस दौरान डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, अमोल आड़े, जयश्री डफरे, विक्की लांडे सहित विधि विभाग के छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

जेल से रिहा अपराधियों पर कड़ी निगरानी

> सख्त कार्रवाई की चेतावनी

अकोला.

जेल से रिहा हुए अपराधियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है तथा वे दोबारा अपराध न करें, इसके लिए विशेष सावधानी बरती जा रही है। इस मामले में पिछले डेढ़ साल में 194 लोगों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई की गई। पुलिस ने चेतावनी दी कि यदि जेल से छूटे अपराधी समाज में आतंक फैलाने के लिए अपनी शक्ति का प्रदर्शन करेंगे तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कई लोग बुरी आदतों के कारण अपराध की ओर रुख करते हैं। चोरी, सेंधमारी, जबरन वसूली, मारपीट, हत्या और धोखाधड़ी जैसे अपराध समाज में लगातार घटित होते रहते हैं। कानून के अनुसार अपराधियों को भी जेल की हवा में सांस लेनी पड़ती है।अनेक अपराध करने के बाद भी अपराधियों की प्रवृत्ति नहीं बदलती। कुछ अपराधी जो बदमाशी, भाई-भतीजावाद और गुंडागर्दी जैसे कृत्य करते हैं, जेल से रिहा होने के बाद सड़कों पर जुलूस निकालते हैं और केक काटते हैं। विभिन्न स्थानों पर यह पाया गया है कि इसे फिल्माया गया है तथा सोशल मीडिया पर प्रसारित किया गया है। इस तरह के अपराध पर अंकुश लगाने के लिए जेल प्रशासन और अकोला पुलिस बल समन्वय कर रहे हैं और सजा काटकर जेल से बाहर आने वाले अपराधियों पर विशेष नजर रख रहे हैं।

'क्रिस्प' योजना लागू की जा रही

जिला जेल से भागने वाले अपराधियों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए अकोला जिले में पुलिस स्टेशन स्तर पर 'क्रिस्प' योजना लागू की जा रही है। इसमें अपराधियों की जांच करना और उनकी गतिविधियों पर कड़ी नजर रखना शामिल है। पुलिस स्टेशन स्तर पर 'कॉम्बिंग' गश्त के माध्यम से निगरानी की जाती है तथा आवश्यकतानुसार कानूनी कार्रवाई की जाती है। यदि आप अपराधियों द्वारा कोई हिंसात्मक कृत्य देखते हैं, तो आपको तुरंत 112 पर कॉल करना चाहिए या पुलिस स्टेशन से संपर्क करना चाहिए। अकोला पुलिस बल ने चेतावनी दी है कि कानून-व्यवस्था में बाधा डालने वाले अपराधियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।

गर्मी के साथ जल संकट गहराया

> 56 में से 54 प्रतिशत जल संग्रहण शेष

अमरावती. गर्मी का प्रकोप बढ़ता जा रहा है और ग्रामीण व पहाड़ी इलाकों में पानी की कमी का असर दिखने लगा है। वर्तमान में जिले में बड़ी, मध्यम एवं छोटी सहित कुल 56 सिंचाई परियोजनाओं में 54 प्रतिशत (568 दलघमी) जल संग्रहण शेष है। इससे इन परियोजनाओं पर निर्भर शहरी और ग्रामीण जलापूर्ति योजनाओं के लिए पर्याप्त जल भंडारण उपलब्ध हो सकेगा। यद्यपि इन क्षेत्रों पर इस कमी का असर नहीं पड़ेगा, लेकिन मध्यम एवं लघु परियोजना क्षेत्रों की योजनाएं प्रभावित होने की संभावना है। पिछले महीने जल भंडारण में 12 प्रतिशत की कमी आई है।

जिले में सात मध्यम और 48 लघु परियोजनाएं हैं, जिनमें बड़ी अपर वर्धा परियोजना भी शामिल है। फरवरी के प्रथम सप्ताह तक जल संग्रहण संतुलन 66 प्रतिशत था, लेकिन अब यह घटकर 54 प्रतिशत रह गया है। ऊपरी वर्धा बांध में वर्तमान में 320 दलघमी (56 प्रतिशत) जल संग्रहण उपलब्ध है। यह परियोजना अमरावती शहर सहित ग्रामीण जल आपूर्ति योजनाओं को जल आपूर्ति करती है । जल संसाधन विभाग के अधिकारियों का मानना है कि गर्मी के दिनों में पानी की आपूर्ति में कमी नहीं आएगी। इस वर्ष मानसून के दौरान प्रचुर वर्षा के कारण बांध शत-प्रतिशत भर गये।सात मध्यम परियोजनाओं में जल भंडारण की स्थिति वर्तमान में अच्छी है। इन परियोजनाओं में वर्तमान में कुल 137 दलघमी (53 प्रतिशत) जल भंडारण उपलब्ध है, तथा पंढरी और बोर्डिनाला परियोजनाओं में भंडारण मई के मध्य तक समाप्त होने की संभावना है। हालांकि शाहनूर, चंद्रभागा, सापन और पूर्णा परियोजनाओं में जल भंडारण फिलहाल औसतन अच्छा है, लेकिन यह अनुमान लगाया गया है कि अगले सीजन में बारिश में देरी होने पर पानी की कमी होने की संभावना है। छोटी परियोजनाओं के क्षेत्र में जलापूर्ति योजनाओं को कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है और पानी की कमी उत्पन्न होने की आशंका है। 48 प्रतिशत जल भंडार 48 छोटी परियोजनाओं में बचा हुआ है। इनमें से कुछ परियोजनाएं अब अपने निम्नतम स्तर की ओर बढ़ने लगी हैं। इसलिए, छोटी परियोजनाओं वाले क्षेत्रों में नागरिकों को अभावों का सामना करने की अधिक संभावना है।

महाराष्ट्र रिपब्लिकन पार्टी ने महिला दिवस पर सामाजिक कार्यकर्ताओं का किया सम्मान

वर्धा.वर्धा के जय भीम बुद्ध विहार में महाराष्ट्र रिपब्लिकन पार्टी की ओर से महिला मेळावा और पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन जिला महिला आघाडी अध्यक्ष हर्षनंदा चूनारकर,महाराष्ट्र रिपब्लिकन पार्टी अध्यक्ष पद्माकर कांबळे, महाराष्ट्र रिपब्लिकन पार्टी उपाध्यक्ष दिलीप वैद्य, महाराष्ट्र रिपब्लिकन पार्टी महिला आघाडी वर्धा जिला सचिव कविता पाटील ने आयोजित किया था. इस कार्यक्रम के अध्यक्ष स्थान पर डॉ.मंदाकिनी जवादे(भानसे), समाज सेविका तथा अध्यक्ष लायन्स क्लब मेडीकोज वर्धा व उद्घाटक रमेश निमसडकर विदर्भ सचिव ऑल इंडिया समता सैनिक दल प्रमुख, पद्माकर कांबळे अध्यक्ष महाराष्ट्र रिपब्लिकन पार्टी वर्धा जिला,दिलीप वैद्य सचिव महाराष्ट्र रिपब्लिकन पार्टी के उपस्थिती में 30 महिलाओं को क्रांतीज्योती सावित्रीबाई फुले आदर्श समाज सेविका पुरस्कार से डॉ. मंदाकिनी जवादे समाज सेविका व विदर्भ सचिव रमेश निमसडकर,ऑल इंडिया समता सैनिक दल के हस्ते शाल,सन्मानपत्र व गुलदस्ता देकर सम्मानित किया. व विश्व महिला दिन पर उपस्थित महिलाओं को शुभेच्छा देकर मार्गदर्शन किया. इस अवसर पर महाराष्ट्र रिपब्लिकन पार्टी अध्यक्ष पद्माकर कांबळे ने उपस्थित महिलाओं को पौधा व प्रबोधनपर गीत सादर करके विश्व महिला दिन का महत्व समझाकर बताया. कार्यक्रम को यशस्वी करने के लिए वार्ड की महिला कविता पाटील,ललिता कांबळे, समृद्धी वानखेडे, रंजना थूल,दुर्गा सोगडे,कोमल कांबळे, वैशाली वलके,शारदा गोलाई,सोनाली चहांदे,प्रतिभा खोब्रागडे, श्रृंकला लोहकरे,मनीषा भस्मे,वंदना पाटील, दुर्गा साटोणे, दमयंती घोरपडे ,रमाबाई लोखंडे, प्रिया भगत,संगीता फुसाटे,मनीषा तायडे,शांताबाई धाबर्ड,प्रतिभा खोब्रागडे ने सहकार्य किया. कार्यक्रम का संचालन कोमल कांबळे, प्रास्ताविक दिलीप वैद्य व उपस्थित महिलाओं के आभार सचिव कविता पाटील ने ग्यापित किये.

आदित्य धनराज का मराठी फिल्म में चयन

>हरीश इथापे के एग्रो थिएटर से लिया प्रशिक्षण

वर्धा.

वर्धा का कृषि थिएटर भारतीय थिएटर पर पिछले कुछ वर्षों में एक विशेष ध्यान केंद्रित कर रहा है. एग्रो थिएटर को देश में एक रंग फैक्ट्री के रूप में जाना जाता है। विभिन्न राज्यों के युवक - युवती हरीश इथापे संचालित एग्रो थिएटर में प्राकृतिक अभिनय शैली सीखने के लिए वर्धा आते हैं। देश में प्रसिद्ध ड्रामा प्रशिक्षण संस्थानों के लिए पूर्व परीक्षा की चयन प्रक्रिया से जाना पडता है। इस परीक्षा की तैयारी के लिए कई कलाकार एग्रो थिएटर भी आते हैं। नागपुर का आदित्य धनराज 2017 में प्रसिद्ध नाटक - सिनेमा के निर्देशक हरीश इथापे के एग्रो थिएटर में आया था. जो कि अभिनेता बनने का सपना देख रहे थे। उन्होंने अभिनय की पुर्वतैयारी की. और लखनऊ में भारतेंदु नाट्य अकादमी में चुने गए. राजपाल यादव, नवाज़ुद्दीन सिद्दीकी जैसे अनुभवी कलाकारों ने भी इसी अकादमी से प्रशिक्षण लिया.आदित्य ने अपने सपने को अपना लक्ष्य बना दिया। आदित्य के लिए अपने लक्ष्य तक पहुंचना आसान नहीं था। क्योंकि उनके परिवार की कोई फिल्म पृष्ठभूमि नहीं थी। क्षेत्र के बारे में भी कोई जानकारी नहीं थी। उन्होंने नागपुर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग का अध्ययन किया। अभिनेता बनने का सपना देखने वाले आदित्य ने नाट्य अकादमी में तीन साल की शिक्षा पूरी करके मुंबई जाने का फैसला किया। 2022 में, आदित्य मुंबई पहुंचा। लगातार कड़ी मेहनत के बाद, आदित्य को मराठी फिल्म "बंजारा" में मुख्य अभिनेता का रोल मिला। यह फिल्म 16 मई, 2025 को थिएटर में रिलीज़ होने वाली है। फिल्म में भरत जाधव, सुनील बर्वे जैसे अनुभवी कलाकार भी हैं।

आदित्य की सफलता ने एक बार फिर एग्रो थिएटर के महत्व को साबित कर दिया है। हरीश इथापे, संजय इंगळे तिगावकर, चैतन्य आठले, सुहास नगराले, गोरल पोहेने, रसिका मुळे, आर्या भोयर, संहिता ईथापे आदि सभी स्तरों से आदित्य पर बधाई का वर्षाव हो रहा है.

बिजली बकाया 248 करोड़

> वसूली सिर्फ 29 करोड़; 'मिशन 21 डेज़' क्या है?

अमरावती.

गर्मी का प्रकोप बढ़ता जा रहा है और ग्रामीण व पहाड़ी इलाकों में पानी की कमी का असर दिखने लगा है। वर्तमान में जिले में बड़ी, मध्यम एवं छोटी सहित कुल 56 सिंचाई परियोजनाओं में 54 प्रतिशत (568 दलघमी) जल संग्रहण शेष है। इससे इन परियोजनाओं पर निर्भर शहरी और ग्रामीण जलापूर्ति योजनाओं के लिए पर्याप्त जल भंडारण उपलब्ध हो सकेगा। यद्यपि इन क्षेत्रों पर इस कमी का असर नहीं पड़ेगा, लेकिन मध्यम एवं लघु परियोजना क्षेत्रों की योजनाएं प्रभावित होने की संभावना है। पिछले महीने जल भंडारण में 12 प्रतिशत की कमी आई है।

जिले में सात मध्यम और 48 लघु परियोजनाएं हैं, जिनमें बड़ी अपर वर्धा परियोजना भी शामिल है। फरवरी के प्रथम सप्ताह तक जल संग्रहण संतुलन 66 प्रतिशत था, लेकिन अब यह घटकर 54 प्रतिशत रह गया है।

ऊपरी वर्धा बांध में वर्तमान में 320 दलघमी (56 प्रतिशत) जल संग्रहण उपलब्ध है। यह परियोजना अमरावती शहर सहित ग्रामीण जल आपूर्ति योजनाओं को जल आपूर्ति करती है । जल संसाधन विभाग के अधिकारियों का मानना है कि गर्मी के दिनों में पानी की आपूर्ति में कमी नहीं आएगी। इस वर्ष मानसून के दौरान प्रचुर वर्षा के कारण बांध शत-प्रतिशत भर गये। सात मध्यम परियोजनाओं में जल भंडारण की स्थिति वर्तमान में अच्छी है। इन परियोजनाओं में वर्तमान में कुल 137 दलघमी (53 प्रतिशत) जल भंडारण उपलब्ध है, तथा पंढरी और बोर्डिनाला परियोजनाओं में भंडारण मई के मध्य तक समाप्त होने की संभावना है। हालांकि शाहनूर, चंद्रभागा, सापन और पूर्णा परियोजनाओं में जल भंडारण फिलहाल औसतन अच्छा है, लेकिन यह अनुमान लगाया गया है कि अगले सीजन में बारिश में देरी होने पर पानी की कमी होने की संभावना है।

छोटी परियोजनाओं के क्षेत्र में जलापूर्ति योजनाओं को कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है और पानी की कमी उत्पन्न होने की आशंका है। 48 प्रतिशत जल भंडार 48 छोटी परियोजनाओं में बचा हुआ है। इनमें से कुछ परियोजनाएं अब अपने निम्नतम स्तर की ओर बढ़ने लगी हैं। इसलिए, छोटी परियोजनाओं वाले क्षेत्रों में नागरिकों को अभावों का सामना करने की अधिक संभावना है।

तुलस्कर कॉलेज ऑफ फार्मेसी में मनाया गया महिला दिवस

हिंगनघाट.

विद्या विकास शिक्षण संस्था हिंगनघाट द्वारा संचालित तुलस्कर कॉलेज ऑफ फार्मेसी में 10 मार्च को महिला दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया तथा भारत में महिला शिक्षा की अग्रणी "सावित्रीबाई फुले" को उनके स्मृति दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं वक्ता डॉ. रेखा नानोटकर, संचार प्रमुख, लीन इम्प्लीमेंटर, हिंगनघाट।

कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय अतिथि एवं महाविद्यालय प्राचार्य द्वारा सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अपने परिचयात्मक भाषण में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए महेंद्र गुंडे ने कार्यक्रम की रूपरेखा तथा अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी पर प्रकाश डाला।डॉ. रेखा ने विद्यार्थियों को बताया कि किस प्रकार वे अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को सुधार सकते हैं, साथ ही अपने दृष्टिकोण से अपनी आत्म-छवि को कैसे सुधार सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि मन से बुरी यादों के क्रोध को कैसे दूर किया जाए, तथा आकर्षण के सार्वभौमिक नियम के बारे में भी बताया। उन्होंने विद्यार्थी जीवन में गहरी नींद के महत्व को समझाया तथा विद्यार्थियों को मन से विषाक्तता को दूर करने के बारे में बताया।मार्गदर्शन के बाद, दैनिक जीवन में लोगों के सामने आने वाली विभिन्न मानसिक चुनौतियों के बारे में विद्यार्थियों की शंकाओं को दूर करने के लिए एक खुला सत्र आयोजित किया जाता है। इसमें उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।कार्यक्रम का संचालन प्रा. अंजू तन्ना ने धन्यवाद ज्ञापन किया प्रा. शीतल पाटिल द्वारा किया गया. पदविका विभागाध्यक्ष प्रो. प्रदीप रघाटाटे, प्रा. प्राचार्य के मार्गदर्शन में राकेश जोशी, प्रा. प्रणय बुरले, सोनल इटनकर, मोनिका भोयर और पराग भाईमारे के प्रयासों से कार्यक्रम सफल रहा।

शिवानी हवाई अड्डे के रनवे विस्तार में देरी

अकोला: पश्चिमी विदर्भ में हवाई यातायात के लिए मील का पत्थर शिवानी हवाई अड्डे के रनवे के विस्तार का काम करीब एक दशक से रुका हुआ है।रनवे विस्तार के लिए आवश्यक भूमि अधिग्रहण हेतु वित्तपोषण की घोषणा केवल बार-बार की जाती है। वास्तव में, कोई धनराशि प्राप्त नहीं हुई। अब बजट में वित्त मंत्री अजित पवार ने एक बार फिर घोषणा की है कि वह शिवानी हवाई अड्डे के विस्तार के लिए आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराएंगे। जबकि पड़ोसी अमरावती जिले में बेलोरा हवाई अड्डा कुछ वर्षों के भीतर हवाई यातायात के लिए तैयार हो गया, वहीं अकोला में ब्रिटिश काल का शिवनी हवाई अड्डा केवल वादों पर ही बन रहा है। राज्य सरकार की धीमी और उदासीन नीति से शिवनी हवाई अड्डे पर भारी असर पड़ा है और उसे अतिरिक्त वित्तीय नुकसान उठाना पड़ रहा है।

अकोला में 1943 में बना ब्रिटिशकालीन शिवनी हवाई अड्डा एक समृद्ध बाधा बन गया। हवाई अड्डे के 1,400 मीटर रनवे को 1,800 मीटर तक विस्तारित करने का प्रस्ताव है। इसके लिए करीब आठ साल पहले डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विश्वविद्यालय के स्वामित्व वाली कुल 60.68 हेक्टेयर भूमि हवाई अड्डा प्राधिकरण को सौंप दी गई। रनवे विस्तार के लिए 22.24 हेक्टेयर निजी भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने स्पष्ट किया कि उस भूमि के बिना हवाई अड्डे का विकास संभव नहीं है। जिला प्रशासन ने महाराष्ट्र एयरपोर्ट डेवलपमेंट कंपनी के माध्यम से 2018-19 में राज्य सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग को भूमि अधिग्रहण के लिए लगभग 84 करोड़ रुपये का प्रस्ताव सौंपा था। इस पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है। उनकी फाइल मंत्रालय में अव्यवस्थित अवस्था में पड़ी रही। उन्होंने माविया सरकार के कार्यकाल के दौरान भूमि अधिग्रहण के लिए एकमुश्त प्रावधान से आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराने का वादा किया।

ट्रक दुर्घटना में पैर कुचलने से मजदूर घायल

बुलढाणा. शीर्षक पढ़कर किसी का भी चौंकना स्वाभाविक है। इसके अलावा, क्या हिंदू हृदयस्पर्शी शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे, जो अपनी दुर्घटना के लिए प्रसिद्ध हैं, ने समृद्धि यातायात राजमार्ग पर भूत का खेल खेलना शुरू कर दिया है? इस तरह का हास्यास्पद संदेह मन में आने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। लेकिन इतना ही नहीं, यह सिर्फ एक दुर्घटना की खबर है... यह अजीब दुर्घटना चैनल नंबर 336.5 पर रविवार 9 मार्च की मध्य रात्रि करीब 12:30 बजे घटी। छोटी-मोटी समस्या होने पर भी वाहन से बाहर निकलना मजदूरों के लिए महंगा पड़ गया। एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया तथा उसका पैर पूरी तरह कुचल गया। अन्य लोग अवाक रह गए हैं।

टाटा ट्रक (MH 20 G Z 2830) का चालक अमजद महमूद पठान (उम्र 32, निवासी परोला तालुका, पैठण जिला, छत्रपति संभाजीनगर) 11 मजदूरों के साथ वाहन में एक छोटा सीमेंट मिक्सर ले जा रहा था। इसी दौरान आधी रात को वह लघुशंका के लिए वाहन से बाहर निकला। इसी दौरान पीछे से तेज गति से आ रहे एक ट्रक (MH 15 FVO 0937) ने खड़े ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी।

इस समय पेशाब कर रहे मजदूरों में से एक, शोएब शाह (20 वर्ष, छत्रपति संभाजी नगर निवासी) गंभीर रूप से घायल हो गया और उसका पैर काटना पड़ा। उन्हें समृद्धि हाईवे एम्बुलेंस में डॉ. यासीन शाह और ड्राइवर प्रवीण राठौड़ ने अस्पताल पहुंचाया। दुर्घटना की सूचना मिलने पर पुलिस उपनिरीक्षक उज्जैनकर और रात्रि गश्त पर मौजूद पुलिस ने दुर्घटना पीड़ितों की मदद की। शोएब शाह गंभीर रूप से घायल हो गए और उनका पैर टूट गया है, उन्हें संभाजीनगर ले जाया गया है।

रक्तदान एक सामाजिक कर्तव्य: पं. शंकर प्रसाद अग्निहोत्री

वर्धा.

रक्तदान हमारा सामाजिक कर्तव्य है। रक्तदान एक निस्वार्थ भावना में किया जाना चाहिए। क्योंकि हमारे रक्तदान से किसी को जीवन मिलने वाला है,ऐसा प्रतिपादन पं.शंकर प्रसाद अग्निहोत्री द्वारा किया गया.

शंकर प्रसाद अग्निहोत्री इंजीनियरिंग कॉलेज वर्धा में राष्ट्रीय सेवा योजना विभाग की ओर से विश्व महिला दिन तथा महाकाली शिक्षण संस्था सचिव सचिन अग्निहोत्री के जन्मदिन पर एक रक्तदान शिविर और एक मुफ्त स्वास्थ्य चेकअप शिविर का आयोजन किया गया था।

मंचपर संस्थाध्यक्ष पं.शंकर प्रसाद अग्निहोत्री, संस्था सचिव सचिन अग्निहोत्री, महाविद्यालय प्रा. चंद्रकांत कोठारे, लॉ.कॉलेज प्रा. डॉ. गजानन जंगमवार, राष्ट्रीय सेवा योजना विभाग सुनील नारसे, संस्थान के अन्य कॉलेज के प्रिंसिपल, सभी विभाग, प्रोफेसर, आयुष ब्लड सेंटर और कंम्पोंडस लैब नागपुर के निदेशक संजय बारगवने, डॉ. दिनकर कुंभलकर, डॉ. नीना रामटेके और उनकी टीम मौजूद थे.रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं ने अपना सामाजिक कर्तव्य पुर्ण किया. इसमें प्रा. चंद्रकांत कोठारे, प्रा. सुनील नारसे, प्रा. वीरेंद्र कोटेवार, प्रा. श्रीकांत नागोसे, प्रा. तुषार प्राते, डॉ. सुले आदि ने रक्तदान किया.

अथर्व पाटिल, अक्षय पांडे, महेश ठाकरे, हरीश नीलकंठ, अभिषेक गावंडे, आराध्य अग्निहोत्री, ओम घोंगडे,आयुष जवादे, आकाश शर्मा, ऋषिकेश लख्खन, चराडे, हिमांशु मंदारकर, इंद्रजीत राठोड़, राज काकडे, प्रियांशु दिवे छात्रों ने रक्त संग्रह का महत्वपूर्ण काम किया। इसमें 56 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया. तथा स्वास्थ्य चेकअप भी कराया.शिविर यशस्वी करने के लिए विद्यार्थी, शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने सहयोग किया. कार्यक्रम का संचालन विधी लोहिया ने किया.तो आभार पियुष वडाई ने ग्यापित किए.

सेल्स मैन चंद्रकांत सहारे का दुखद निधन

हिंगनघाट.

कपडा व्यवसाय में अल्पवधी मे अष्टपैलू व्यक्तिमत्व करके पहचान बनाने वाले कपड़ा सेल्समैन चंद्रकांत पंढरीनाथ सहारे का उम्र 53 का सोमवार दिनांक 10 मार्च को अल्प बीमारी से दुखद निधन हुआ। मोक्षधाम में चंद्रकांत का अंतिम संस्कार किया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने उपस्थित रहकर स्वर्गीय चंद्रकांत को श्रद्धांजली अर्पण की। उसके पश्चात मां, पत्नी, लड़का, लड़की और तीन भाई ऐसा बड़ा आप्त परिवार है।

कृषि विश्वविद्यालयों में परियोजना प्रभावितों के लिए बड़ा अवसर

अकोला. राज्य के कृषि विश्वविद्यालयों में रिक्त पदों में से 50 प्रतिशत पद परियोजना प्रभावित लोगों से भरने की मंजूरी सरकार ने दे दी है। डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विश्वविद्यालय में ग्रुप सी और डी संवर्ग के कुल 680 पदों पर भर्ती होने जा रही है। इसके लिए आज 10 मार्च से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। परियोजना पीड़ितों के लिए एक महान अवसर प्रदान किया गया।

महिला दिवस पर डॉ. हेडगेवार ब्लड सेंटर में खास आयोजन

मुख्य अतिथि के रूप में क्षितिजा देशमुख की गरिमामयी उपस्थिति

नागपुर.

आरएसएस लोक-कल्याण समिति, नागपुर द्वारा संचालित डॉ. हेडगेवार ब्लड सेंटर में आज अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विशेष रूप से बीसीएन न्यूज़, की एंकर और रिपोर्टर क्षितिजा देशमुख को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ किया गया। इसके पश्चात डॉ. हेडगेवार ब्लड सेंटर के अध्यक्ष ने संस्था के उद्देश्यों और समाज सेवा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर क्षितिजा देशमुख ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा,आज के दौर में महिलाओं का हर क्षेत्र में योगदान अविस्मरणीय है। चाहे चिकित्सा क्षेत्र हो, मीडिया हो या समाजसेवा महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। ऐसे आयोजनों से समाज में महिलाओं के योगदान को सम्मान मिलता है और यह प्रेरणा का स्रोत बनता है। कार्यक्रम के दौरान डॉ. हेडगेवार ब्लड सेंटर के द्वारा थैलेसीमिया, सिकल सेल और जरूरतमंद मरीजों के लिए किए जा रहे रक्तदान और सेवा कार्यों पर प्रकाश डाला गया। साथ ही, यह बताया गया कि केंद्र किस प्रकार से नवीनतम टेक्नोलॉजी और अत्याधुनिक उपकरणों के माध्यम से रक्तदान और रक्त संग्रहण के कार्यों को बेहतर बना रहा है। कार्यक्रम के अंत में क्षितिजा देशमुख को डॉ. हेडगेवार ब्लड सेंटर के प्रतिनिधियों द्वारा स्मृति चिन्ह और सम्मान पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। उन्होंने केंद्र के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि "यह संस्था समाज के लिए जो अमूल्य योगदान दे रही है, वह निःसंदेह प्रशंसनीय है। इस अवसर पर डॉ. हेडगेवार ब्लड सेंटर के समस्त कर्मचारी, समाजसेवी, रक्तदाता, एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मिनिसो स्टोर में ट्रेंडी प्रोडक्ट्स की शानदार रेंज

नागपुर. मॉल के संचालक श्रेयस कोमल राठी ने बताया कि मिनिसो एक ऐसा स्टोर है जहाँ आपको स्टाइलिश और ट्रेंडी प्रोडक्ट्स का अनोखा कलेक्शन मिलेगा। यहाँ घरेलू सामान से लेकर एक्सेसरीज़, फैशन, कॉस्मेटिक, हाउसहोल्ड स्टोरेज, ट्रैवल, स्लीपर्स, गिफ्ट आइटम, खिलौने, लंचबॉक्स और हज़ारों तरह के उत्पाद उपलब्ध हैं। कीमतें 50 से लेकर 1500 तक हैं। यहाँ आप हर पार्टी और घर के लिए बेहतरीन गिफ्ट आइटम खरीद सकते हैं। पुरशोतम मालू, गोपाल सारडा, कमल पसारी, तरुण निर्बाण, नाथाभाई पटेल वसंत पालीवाल मनोज सोनी, सुधाकर पसारी, प्रेमनाथ राठी, कमल सारडा, सजल दुबे, श्वेता रावलानी दुबे व कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे.

शोरूम का उद्घाटन कैलाश जोगानी ने किया

फडणवीस 3.0 सरकार का पहला बजट: औद्योगिक विकास और बुनियादी ढांचे पर जोर

उद्योग के लिए अवसरों और चुनौतियों के साथ एक विकासोन्मुखी रोडमैप: सीएएमआईटी अध्यक्ष डॉ. दिपेन अग्रवाल की प्रतिक्रिया

बजट बुनियादी ढांचे के विकास, औद्योगिक प्रगति और सामाजिक कल्याण की एक सशक्त दृष्टि प्रदान करता है, लेकिन ईंधन और संपत्ति लेनदेन पर बढ़े हुए कर भार पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। बजट की सफलता इसके क्रियान्वयन और राजस्व सृजन व औद्योगिक प्रतिस्पर्धात्मकता के संतुलन पर निर्भर करेगी। महाराष्ट्र का व्यापार और उद्योग क्षेत्र समावेशी और सतत विकास सुनिश्चित करने के लिए सरकार के साथ रचनात्मक संवाद की उम्मीद करता है।

नागपुर.

देवेंद्र फडणवीस 3.0 सरकार का पहला बजट, जिसे वित्त मंत्री अजीत पवार ने प्रस्तुत किया, महाराष्ट्र के विकास के लिए एक महत्वाकांक्षी रोडमैप प्रस्तुत करता है। यह बजट विभिन्न क्षेत्रों को समाहित करता है, लेकिन उद्योग और व्यापार क्षेत्र के लिए यह अवसरों और चुनौतियों का मिश्रण है। औद्योगिक विकास पहल का स्वागत, इंडस्ट्रियल पॉलिसी 2025 की घोषणा, जिसमें 20 लाख करोड़ के निवेश और 50 लाख नौकरियों के अवसर सृजित करने का लक्ष्य है, एक सकारात्मक कदम है। परिपत्र अर्थव्यवस्था के लिए एक अलग क्षेत्रीय नीति और नए श्रम कानूनों से आवश्यक नियामक स्पष्टता और स्थिरता- केंद्रित विकास को बढ़ावा मिलेगा। औद्योगिक लाइसेंस के लिए 'मैत्री' पोर्टल की शुरुआत प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और राज्य में व्यापार करने में आसानी को बढ़ाने के लिए एक सराहनीय पहल है। महाराष्ट्र में वधावन पोर्ट के पास तीसरे मुंबई हवाई अड्डे के प्रस्ताव के साथ-साथ समृद्धि हाईवे से इसकी कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने की योजना बुनियादी ढांचे के विकास पर सरकार के ध्यान को दर्शाती है। गडचिरोली में खनन गलियारे का विकास इस क्षेत्र की आर्थिक क्षमता को उजागर करने और संतुलित क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने में सहायक होगा। बढ़े हुए कर भार को लेकर चिंता, जहां बजट औद्योगिक विकास को प्राथमिकता देता है, वहीं सीएनजी, पीएनजी ईंधन, वाहन पंजीकरण और संपत्ति लेनदेन पर करों और शुल्कों में वृद्धि चिंताजनक है। ऐसे समय में जब व्यवसाय आर्थिक चुनौतियों से उबर रहे हैं, अतिरिक्त कर भार औद्योगिक प्रतिस्पर्धा और उपभोक्ता भावना को प्रभावित कर सकता है। बंदरगाह, पर्यटन और परिवहन अवसंरचना को बढ़ावा, महाराष्ट्र मरीन डेवलपमेंट पॉलिसी-2023 संपत्ति कर, गैर-कृषि कर और स्टांप शुल्क पर छूट प्रदान करती है, जिससे तटीय पर्यटन और यात्री नौवहन को बढ़ावा मिलेगा। 6,000 एमएसआरटीसी बसों को सीएनजी और एलएनजी में परिवर्तित करना, मुंबई, पुणे और नागपुर में मेट्रो नेटवर्क का विस्तार और 'दुर्गम ते सुगम' कार्यक्रम के तहत रोपवे कनेक्टिविटी सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने और पर्यटन को बढ़ावा देने में सहायक होंगे। कृषि और नवीकरणीय ऊर्जा पहल, महाराष्ट्र सरकार ने कृषि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को बढ़ावा देने की पहल, जिसमें 1 लाख एकड़ भूमि पर 50,000 किसानों को शामिल करते हुए एक पायलट परियोजना शुरू की जा रही है, कृषि क्षेत्र को आधुनिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अतिरिक्त, सांगली में 1,594 करोड़ की लागत से 200 मेगावाट सौर ऊर्जा परियोजना सरकार की सतत ऊर्जा उत्पादन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। सामाजिक कल्याण और जल प्रबंधन पर ध्यान, लाडकी बहिन योजना के लिए 36,000 करोड़ का आवंटन, जिसमें अनुदान सहायता बढ़ाने का प्रस्ताव है, सरकार की महिलाओं के कल्याण पर केंद्रित नीति को उजागर करता है। इसके अतिरिक्त, गोसिखुर्द राष्ट्रीय परियोजना के लिए 1,460 करोड़ का आवंटन महाराष्ट्र की सिंचाई अवसंरचना को और मजबूत करेगा, जिससे जल संसाधन प्रबंधन में सुधार होगा।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पत्रकार और एंकर क्षितिजा देशमुख को "वुमन अचीवर्स अवॉर्ड" से सम्मानित किया गया। इस पुरस्कार के जरिए उनके पत्रकारिता क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट योगदान की सराहना की गई।

आरएसटी कैंसर अस्पताल में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह

नागपुर.

आरएसटी कैंसर अस्पताल ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं को सम्मानित करने और उनके स्वास्थ्य एवं सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम अस्पताल परिसर में आयोजित किया गया, जिसमें डॉक्टरों, गणमान्य व्यक्तियों, कर्मचारियों और कैंसर से जूझ चुकी महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत एमएसबीईटी के छात्रों द्वारा प्रस्तुत एक नाटक से हुई, जिसमें महिलाओं के स्वास्थ्य और सशक्तिकरण के महत्व को उजागर किया गया।

इसके बाद औपचारिक उद्घाटन समारोह हुआ, जिसमें पारंपरिक दीप प्रज्वलन और तुकड़ोजी महाराज के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। अस्पताल के अतिरिक्त निदेशक डॉ. विकास धनोरकर ने स्वागत भाषण दिया और कार्यक्रम को सार्थक चर्चा की ओर अग्रसर किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों के रूप में कैंसर रिलीफ सोसाइटी के उपाध्यक्ष सुनील केदार, प्रख्यात बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. उदय बोधनकर और आईएमए नागपुर की अध्यक्ष डॉ. मंजूषा गिरी उपस्थित रहे। गणमान्य व्यक्तियों ने महिला सशक्तिकरण और महिलाओं के अच्छे स्वास्थ्य के लिए चिकित्सा सुविधाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण कैंसर रजिस्ट्री विभाग की शोध वैज्ञानिक डॉ. रेवु शिवकला द्वारा प्रस्तुत महिलाओं के कैंसर से संबंधित आंकड़े रहे। इसके अलावा, डॉ. माधुरी गवांडे ने गर्भाशय ग्रीवा कैंसर (सर्वाइकल कैंसर) और एचपीवी वैक्सीन के महत्व पर व्याख्यान दिया, जबकि डॉ. हरीश केला ने स्तन कैंसर की शीघ्र पहचान के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर 10 बहादुर महिला कैंसर विजेताओं को उनके साहस और संघर्षशीलता के लिए सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में कैंसर रिलीफ सोसाइटी के उपाध्यक्ष अशोक कृपलानी, सचिव अनिल मलवीय, संयुक्त सचिव अरविंद धवड़, कोषाध्यक्ष सुरेश केवालरामानी और प्रतिष्ठित चिकित्सकों में डॉ. करतार सिंह, डॉ. प्रफुल चहांदे, डॉ. प्रशांत सोमकुवर, डॉ. प्रशांत धोके, डॉ. वंदना मोहता, डॉ. स्नेहल नाइक शामिल थे। माया ढोबले (सिस्टर) और कैंसर रजिस्ट्री विभाग के समस्त कर्मचारी भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

बावनकुले से फॉगिंग मशीनें चवाने की चिमणकर ने की मांग

कामठी. ठंड का मौसम कम होते ही शहर में मच्छरों की भरमार हो गई है. मच्छरों के बढ़ते प्रकोप से बच्चे, बूढ़े और पूरे शहरवासी परेशान हैं. शाम होते ही मच्छरों की संख्या बढ़ जाती हैं और नागरिकों का घरों के बाहर और सड़कों पर खड़ा होना मुश्किल हो जाता है. इन मच्छरों से मलेरिया, डेंगू , जापानी इंसेफेलाइटिस, जीका वायरस, चिकनगुनिया आदि की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। मच्छरों की संख्या काफी हद तक बढ़ गई है. जबकि इस संबंध में नगर परिषद को हाल ही में ज्ञापन सौंपा गया है। उपरोक्त आरोप लगाते हुए इको लॉजिक फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. अभिषेक उमाकांत चिमणकर ने राम मंदिर परिसर स्थित संघ मैदान में आयोजित राजस्व मंत्री व पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले के जनसंवाद कार्यक्रम में उन्हें पूरे शहर में छिड़काव और फॉगिंग मशीनों के माध्यम से मच्छरों पर नियंत्रण करने ज्ञापन सौंपा था.

पारंपरिक पोशाक में महिलाओं की बाइक रैली

अंशिता ब्यूटी एकेडमी, सतगुरु ट्रैवल्स का आयोजन

कामठी.

शहर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक भव्य दुपहिया रैली निकाली गई। महिलाओं ने विशेष पारंपरिक वेशभूषा पहनकर रैली में भाग लिया। अंशिता ब्यूटी एकेडमी की स्वाति कावले और सतगुरु टूर्स एंड ट्रैवल्स के आशीष कावले द्वारा आयोजित बाइक रैली की शुरुआत पूर्व राज्यमंत्री एड.सुलेखा कुंभारे व परिमंडल चार की उपायुक्त रश्मिता राव द्वारा हरी झंडी दिखाकर जयस्तंभ चौक से की गई। इस मौके पर डॉ. धारा चौधरी, हर्षल कावले एवं किरण नानाभाऊ झोड़ आदि गणमान्य व्यक्ति अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। रैली मोटर स्टैंड, हैदरी चौक, पुलिस स्टेशन, मच्छी पुल, नेताजी चौक, सोनार ओळी, सतु हलवाई चौक, गोयल टॉकीज, दुर्गा चौक, जय भीम चौक, रनाळा चौक से होकर निकाली गई। समापन जयस्तंभ चौक पर किया गया। रैली में

अंशिता कावळे, वैशाली कदम, वैशाली खोब्रागडे, दीपाली वानखेडे, वैशाली गवते, सुरेखा पाहुणे, मनीषा खाणकुरे, करुणा कडवे, पूजा तरारे, दर्शना गंठाडे, शेर्या राजुरिया, अवंती महाजन, रूपाली महाजन, अर्चना डोमणे, सरिता खरबडे, प्रियांका पाटील, वर्षा ढोमणे, स्वाती नरखेडकर, आरती बांगरे, स्वाती बांगरे, प्रियांका जुनघरे, शिवानी पारकर, अपेक्षा ठोंबरे, मिंटू गुप्ता, ललिता कावळे सहित अनेक महिलाओं ने सहभाग लिया। वेशभूषा प्रतियोगिता के विजेता में पहला पुरस्कार नेहा बागियतकर, दूसरा पुरस्कार राजेश्वरी और तीसरा पुरस्कार वैशाली खोब्रागडे ने जीता। महिला दिवस के अवसर पर इस कार्यक्रम के माध्यम से 'सशक्त महिला, सक्षम समाज' का संदेश दिया गया।

संदीप मोहोड ने गणेश मंदिर निर्माण की आधारशिला रखी

सौसर. शहर वार्ड 5-6 में जिला भाजपा अध्यक्ष संदीप मोहोड हस्तें सार्वजनिक गणेश मंदिर निर्माण की आधारशिला रखी गई। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ में सार्वजनिक गणेश मंदिर निर्माण का भूमिपूजन किया गया। अवसर पर बोलते हुये जिलाध्यक्ष मोहोड ने कहा कि, हमारा भारत सनातन की ओर अग्रसर हो रहा है, भारत देश देवी देवताओं की जन्मस्थलि रही है, हमें हमारे सनातन की रक्षा के लिये एकजुटता के साथ आगे आना चाहिये। कार्यक्रम में प्रमुखता से नगर पालिका अध्यक्ष सुरेखा इंदरचंद्र डागा, पार्षद डॉ सुनील खंडाईत, मंदिर कमेटी अध्यक्ष विनोद कलसकर, उपाध्यक्ष आदित्य गायकवाड, सचिव सतीष धकाते, सहसचिव किषोर पाटिल, कोषाध्यक्ष अरूण खंडाईत, मनोज बोडखे, किषोर यावलकर, विकास जौंजाल, जीतू कोठेकर, कमलेष वरोकार, जितेन्द्र श्रीखंडे, दिवाकर अढाऊ, दिनेष अढाऊ, ऋषभ गायकवाड, रमेष गायकवाड, मीना धकाते, दिपाली वरोकार, गीता गायकवाड, मीना गायकवाड आदि उपस्थित थे।

पूर्व विद्यार्थियों के सहमिलन समारोह में शिक्षा और जीवन के मूल्यों की प्रेरणा

नागपुर. हमारी अर्जित शिक्षा हमारे जीवन मूल्यों की सबसे बड़ी सामाजिक धरोहर है। इसका सही उपयोग और नियोजन सदैव समाज और राष्ट्र के नवनिर्माण में करने का वैचारिक मानस हर एक पूर्व विद्यार्थियों की महत्वपूर्ण जवाबदारी है। उक्त प्रेरणा प्रेरक जानकारी मनिषा शिक्षण प्रसारक मंडल नागपुर के सचिव मधुसूदन मुडे ने कही। वे मेजर हेमंत जकाते विद्यानिकेतन शाला के पूर्ववर्ती विद्यार्थियों के आयोजित सहमिलन समारोह में बोल रहे थे। कार्यक्रम में सत्र 2018-19 के पूर्व विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। उन्होंने कहा की किसी भी क्षेत्र में स्थापित होने के लिए आपकी शिक्षा, अनुभव और उत्कृष्ट वैचारिकता से आपको एक विशिष्ट पहचान प्रदान करती है। इस उपलब्धि से ना केवल आपका नाम रोशन होता है वरन वह शिक्षण संस्था भी गौरवान्वित होती है जहां आपने अपनी आरंभिक शिक्षा गृहण की है। कार्यक्रम की अध्यक्षता शीला मुडे ने सभी पूर्ववर्ती विद्यार्थियों को मार्गदर्शन करते हुए आव्हान किया कि वे जीवन में व्यक्तिगत स्वार्थ को कभी अपने मन मस्तिष्क पर हावी ना होने दें। एक आदर्श नागरिक के रूप में परिवार, समाज और राष्ट्र विकास के लिए हर क्षेत्र में अपना सबसे बेहतर देने का प्रयास करना चाहिए। आप सबका इसी शाला में पुनः सहमिलन आपसी सोच, पिछले पलों की यादें, जीवन के क्षेत्र में आपके कार्यों व जीवन उद्देश्यों का आदान-प्रदान, शिक्षकों के प्रति आदर सम्मान और उनका मार्गदर्शन आपको निश्चित ही भविष्य को संवारने में मददगार साबित होगा। कार्यक्रम में दिपांशी चकोर, निखिल राणा, भाग्यश्री पडधान, यामिनी येवले, अंकित वनवे, अभिषेक चौधरी, आशिष नाईक और पुरूषोत्तम मेहता को उनकी वैशिष्ट्य उपलब्धि पर सम्मानित भी किया गया।

डॉ. सचिन देव्हारे

संचालक

प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजिस्ट और मुग्धा ईईसीपी हार्ट केयर सेंटर

ईईसीपी ट्रीटमेंट से मिली नई जिंदगी

डॉक्टरों ने कहा दो महीने भी मुश्किल- बाईपास करना भी था असंभव

नागपुर. ताजनगर तुकडोजी चौक निवासी शकील शैख़ को हार्ट अटैक के बाद एक निजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। एंजियोग्राफी के दौरान पता चला कि उनके हृदय की तीनों नलिकाएं 90 से 100% तक अवरुद्ध हो चुकी हैं। नलिकाओं में रुकावट डिफ्यूज रूप से फैली थी, और उनका हृदय केवल 20% पंपिंग कर रहा था। इस गंभीर स्थिति के कारण डॉक्टरों ने बाईपास सर्जरी असंभव बताई.

शेख और उनके परिवार ने नागपुर के कई प्रसिद्ध कार्डियक सर्जनों से परामर्श किया, लेकिन उनकी हालत अत्यधिक नाजुक होने के कारण कोई भी ऑपरेशन की जिम्मेदारी नहीं लेना चाहता था। इसी दौरान विम्स हॉस्पिटल के कार्डियक सर्जन डॉ. आशिष बद्धखल के मार्गदर्शन में उन्हें डॉ. सचिन देव्हारे के मुग्धा ईईसीपी हार्ट केयर सेंटर में इलाज कराने की सलाह दी गई।

ईईसीपी ट्रीटमेंट से मिली नई जिंदगी: ईईसीपी (एनहांस्ड एक्सटर्नल काउंटर पूल्सातिओं) एक यूएसएफडीए मान्यता प्राप्त एलोपैथिक उपचार है, जो उन मरीजों के लिए फायदेमंद होता है जिनका बाईपास या एंजियोप्लास्टी संभव नहीं होती। यह उपचार हृदय में रक्त संचार बढ़ाकर मरीज की स्थिति में सुधार लाने में मदद करता है। परिवार ने डॉक्टर सचिन देव्हारे से परामर्श लेने के बाद मुग्धा ईईसीपी हार्ट केयर सेंटर में इलाज शुरू किया। शुरुआत में शकील शेख 20 कदम भी नहीं चल पा रहे थे, सांस लेने में तकलीफ और सीने में दर्द बना रहता था।

लेकिन 10-12 दिनों के भीतर ही उनकी हालत में सुधार दिखने लगा। 50 ईईसीपी सेशंस और 20 एसीटी इंजेक्शन के बाद उनकी रिपोर्ट में हृदय का रक्त संचार बढ़ा हुआ पाया गया और पंपिंग क्षमता 45% तक बढ़ गई। अब स्वस्थ जीवन जी रहे हैं. शकील शेख: डॉक्टरों द्वारा मात्र दो महीने की जीवन अवधि बताए जाने के बावजूद,

शकील शेख अब बिना किसी परेशानी के अपने रोजमर्रा के काम कर रहे हैं। वे सीढ़ियां चढ़ उतर सकते हैं। सुबह की सैर कर सकते हैं और सामान्य जीवन बिता रहे हैं। उनकी पत्नी और परिवार ने डॉ. सचिन देव्हारे, डॉ. रीता देव्हारे और मुग्धा ईईसीपी टीम का आभार व्यक्त किया। उन्होंने अन्य हृदय रोगियों से बिना ऑपरेशन, बिना एंजियोप्लास्टी पहले ईईसीपी ट्रीटमेंट का परामर्श लेने की अपील की।

ईईसीपी: बिना ऑपरेशन हृदय रोग का प्रभावी इलाज: यह मामला उन सभी हृदय रोगियों के लिए एक उम्मीद की किरण है. जिनका बाईपास या एंजियोप्लास्टी संभव नहीं है। ईईसीपी ट्रीटमेंट ने साबित कर दिया है कि बिना ऑपरेशन भी हृदय रोग का सफल इलाज किया जा सकता है।

शुभांक		
श्रीदेवी	188-7	344-1
श्रीदेवी नाईट	667-9	368-7